प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य वश्ववद्यालयों की कुलाधपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज जन भवन में सरदार वल्लभभाई पटेल कृष एवं प्रौद्योगकी वश्ववद्यालय, मेरठ के कुलपति एवं अन्य अधकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वश्ववद्यालय तथा उसके अंतर्गत संचालत वभन्न महावद्यालयों द्वारा संचालत पाठ्यक्रमों, शैक्षक एवं गैर-शैक्षणक फैकल्टी, अनुसंधान गतिवधयों, रिक्त पदों के सापेक्ष भर्ती, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, बेस्ट प्रैक्टिस, वद्यार्थी कल्याण, आधारभूत सुवधाओं, भवनों की स्थिति, वश्ववद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति रिपोर्ट, खेलकूद एवं सामाजिक गतिवधयों सहित वभन्न वषयों पर वस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा क कसी भी कार्य का परिणाम महत्वपूर्ण होता है तथा वश्ववद्यालयों को अपने कार्यों के ठोस परिणाम समाज के समक्ष प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने मलेट उत्पादन को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा क वश्ववद्यालय का कार्य केवल शक्षण तक सीमत नहीं होना चाहिए, बल्कि उत्पाद निर्माण, पैकेजिंग एवं वपणन तक उसकी सक्रय भूमका होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया क निजी कंपनियों को आमंत्रित कर वश्ववद्यालय द्वारा निर्मत उत्पादों के वक्रय की प्रभावी व्यवस्था की जाए।

उन्होंने कहा क जिस लक्ष्य के साथ कार्य प्रारम्भ कया जाए, उसे पूर्णता तक पहुंचाना आवश्यक है। राज्यपाल जी ने वश्ववद्यालय के वद्यार्थयों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं सरकार की अन्य योजनाओं से जोड़ने, को स्वरोजगार के लए प्रेरित करने तथा ऐसे वद्यार्थयों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए जिन्हें रोजगार अथवा उद्यम स्थापना हेतु वत्तीय सहयोग की आवश्यकता हो।

राज्यपाल जी ने ऐसे फल एवं सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने पर बल दिया जिनका उत्पादन प्रदेश में कम होता है। उन्होंने कहा क आय सृजन के लए यूनिक एवं उच्च मूल्य वाले कृष उत्पादों का उत्पादन आवश्यक है। उन्होंने परंपरागत उत्पादों की प्रोसेसंग के साथ नए उत्पाद वकसत करने तथा फलों एवं सब्जियों के अपव्यय को रोकते हुए उन्हें उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा क वश्ववद्यालयों को कसानों की समस्याओं को कम करने की दिशा में व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने चाहिए।

बैठक में कृष वज्ञान केंद्रों की भूम, नक्शा, सीमांकन एवं अतिक्रमण हटाने के वषय पर भी चर्चा हुई। राज्यपाल जी जी ने निर्देश दिए क जिन कृष वज्ञान केंद्रों की भूम वश्ववद्यालय के नाम पर दर्ज नहीं है, उन्हें वश्ववद्यालय के के नाम दर्ज कराने के लए आवश्यक प्रयास कए जाएं। राज्यपाल जी ने वश्ववद्यालय के गर्ल्स छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को और अधक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्ल्स एवं ब्वॉइज छात्रावास के कमरों को व्यवस्थित रखने तथा छात्र-छात्राओं द्वारा पेंटिंग एवं अन्य रचनात्मक गतिवधयों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा क चीफ वार्डन सक्रय भूमका निभाएं तथा कुलपति एवं संबंधत अधकारियों को यह जानकारी होनी चाहिए क छात्र-छात्राएं कसी गतिवध या खेलकूद हेतु बाहर जा रहे हैं तो कतने छात्र जा रहे हैं और कहां जा रहे हैं। हैं। उन्होंने छात्रावास में छात्राओं के वलंब से लौटने पर वशेष निगरानी रखने तथा अध्यापकाओं को छात्राओं से नियमत संवाद स्थापत कर उनकी समस्याओं को समझने के निर्देश दिए।

राज्यपाल जी ने जन भवन में संचालत नवाचारों का उल्लेख करते हुए बताया क यहां पॉक्सो एक्ट से प्रभावत बच्चियों को सलाई एवं अन्य प्रशक्षण कार्यक्रम प्रदान कए जाते हैं। उन्होंने छात्राओं के नियमत स्वास्थ्य परीक्षण एवं हीमोग्लोबिन जांच पर भी वशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने मेरठ में उत्पादित खेल सामग्री उत्पादों का उल्लेख करते हुए कहा क यहां के उद्योगों एवं उद्यमों से सीएसआर फंड प्राप्त कर वकासात्मक कार्यों को गति दी जा सकती है। उन्होंने कृष उत्पादकता बढ़ाने, बहुफसली खेती को प्रोत्साहित करने तथा आयात कम एवं निर्यात अधक करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा क वश्ववद्यालयों को आंकड़ों के आधार पर लक्ष्य निर्धारित कर कसानों को उत्पादन के लए प्रेरित करना चाहिए तथा अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को गन्ना उत्पादन के लए उपयुक्त बताते हुए राज्यपाल महोदया ने कहा क गन्ने के साथ-साथ अन्य फसलों का उत्पादन भी बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने वश्ववद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने समस्याओं के समाधान के लए सामूहिक जिम्मेदारी तय करने पर बल दिया।

राज्यपाल जी ने जन भवन में संचालत नवाचारों की चर्चा करते हुए कहा क झोपड़पी एवं गरीब परिवारों के बच्चों बच्चों का यहां संचालत वद्यालय में नामांकन कराया गया है। उन्होंने बताया क जन भवन के कार्मक एवं सुरक्षाकर्मी स्वेच्छा से ड्यूटी समय के बाद बच्चों को खेल प्रशक्षण, बैंड एवं बांसुरी वादन का प्रशक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने जन भवन में होने वाले पौधारोपण, गरबा, नाटक, संवधान पर चर्चा एवं अन्य रचनात्मक गतिवधयों का भी उल्लेख कया। उन्होंने कहा क प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा एवं गुण होता है, आवश्यकता केवल उन प्रतिभाओं को पहचानकर निखारने की है।

माननीय कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में विश्वविधालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक

माननीय कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में विश्वविधालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा